लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3771
दिनांक 12.08.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण

3771. श्री प्रभाकर रेड्डी बेमिरेड्डीः

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) के लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;

(ख) क्या सरकार द्वारा एनएचडीपी के अंतर्गत कोई कौशल विकास प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि विगत तीन वर्षों अर्थात् 2022-23, 2023-24 और 2024-25 के दौरान आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में केवल एक कारीगर को एनएचडीपी के अंतर्गत कौशल विकास प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता का लाभ मिला है;

(घ) यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं, और

(ङ) आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले के अधिक से अधिक कारीगरों को कौशल विकास, प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, देश के हस्तशिल्प क्षेत्र के समग्र विकास और संवर्धन के लिए दो योजनाएं नामशः राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) और वृहद हस्तशिल्प क्लस्टर विकास योजना (सीएचसीडीएस) का कार्यान्वयन करता है। इन योजनाओं के तहत विपणन कार्यक्रमों, कौशल विकास, क्लस्टर विकास, उत्पादक कंपनियों के गठन, कारीगरों को प्रत्यक्ष लाभ, सरंचनात्मक एवं प्रौद्योगिकी सहायता और अनुसंधान एवं विकास समर्थन आदि के माध्यम से कारीगरों को आद्योपांत सहायता देने हेतु आवश्यकता के आधार पर सहायता दी जाती है जिससे देश के पारंपरिक शिल्प और कारीगर लाभान्वित होते हैं।

(ख) एनएचडीपी योजना के तहत हस्तशिल्प क्षेत्र में कौशल विकास सृजन में सहायता हेतु गुरु शिष्य हस्तशिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम (जीएसएचपीपी), वृहद कौशल उन्नयन कार्यक्रम (सीएसयूपी) तथा डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी विकास कार्यशाला (डीटीडीडब्ल्यू) जैसे विभिन्न प्रकार के कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विषम परिस्थितियों में पुरस्कार प्राप्तकर्ता कारीगरों को 8,000/- रुपए प्रति माह की दर से वित्तीय सहायता दी गई।

(ग) और (घ): पिछले तीन वर्षों में अर्थात वर्ष 2022-23 से 2024-2025 के दौरान आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में कौशल विकास, प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तहत कुल 61 कारीगर लाभान्वित हुए हैं तथा एनएचडीपी योजना के तहत उन्हें वित्तीय सहायता दी गई है।

(ङ): अधिक से अधिक कारीगरों के कौशल विकास, प्रशिक्षण एवं उन्हें वित्तीय सहायता देने के लिए विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) का कार्यालय उक्त योजनाओं के बारे में उन्हें जागरूक करते हुए आंध्र प्रदेश सहित देश में चौपाल, कार्यशाला/सेमीनार आयोजित करता हैं।

****